05-06-2 ी ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

“ मीठे बच्चे - बाप के साथ - साथ तभी चल सकेंगे जब इस पुरानी दुनिया से बेहद का वैराग्य होगा ”

31-12-2004

इस वर्ष के आरम्भ से बेहद की वैराग्य वृत्ति इमर्ज करो, यही मुक्तिधाम के गेट की चाबी है

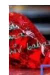

25/03/2025

बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? (1) ड्रामा है फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? (2) शिवबाबा। और फिर (3) रावण। आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप

प्रश्नः-भगवान समर्थ होते हुए भी उसके रचे हुए यज्ञ में विघ्न क्यों पड़ते हैं?

Actual scene is Here

How humble my baba is...!

उत्तरः- क्योंकि रावण भगवान से भी तीखा है। जरूर जब उसका राज्य छीना जायेगा तो वह विघ्न डालेगा ही। शुरू से लेकर ड्रामा अनुसार इस यज्ञ में विघ्न पड़ते ही आये हैं, पड़ने ही हैं। हम पतित दुनिया से पावन दुनिया में ट्रांसफर हो रहे हैं तो जरूर पतित मनुष्य विघ्न डालेंगे।

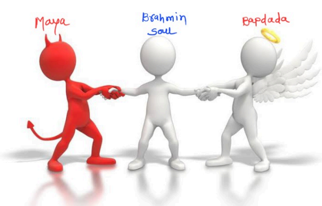

गीतः- ओ दूर के मुसाफिर... Click

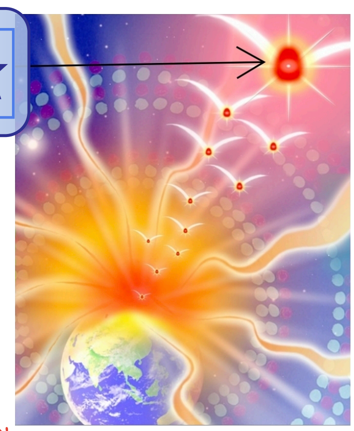

शिवबाबा से जब हम सतयुग में बिछड़ेंगे उस समय का गीत

चले आज तुम जहाँ से, हुई ज़िन्दगी परायी
तुम्हे मिल गया ठिकाना, हमें मौत भी ना आयी

ओ दूर के मुसाफिर, हम को भी साथ ले ले रे
हम को भी साथ ले ले, हम रह गये अकेले

तू ने वो दे दिया ग़म, बेमौत मर गये हम
दिल उठ गया जहां से, ले चल हमें यहाँ से
किस काम की ये दुनिया जो ज़िन्दगी से खेले

सूनी हैं दिल की राहें, खामोश हैं निगाहें
नाकाम हसरतों का उठने को है जनाज़ा
चारों तरफ लगे हैं बरबादीयों के मेले

geetmanjusha.com

P

बहुत रोते हैं

तुम्हारा भी बाप के साथ बहुत लव है। पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रहते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं। यहाँ भी बच्चे बहुत समय के बाद आकर बाप से मिलते हैं तो प्रेम के ऑसू आते हैं। यह प्रेम के ऑसू फिर माला का दाना बन जायेंगे। हमारा पुरुषार्थ ही है कि हम बाबा के गले का हार बनें, इसलिए बाबा को याद करते रहते हैं।

Click

SM : 30/12/2022

बाबा ने इस मुरली में कहा था कि पिछाड़ी में बाबा से बिछड़ने के समय बहुत रोयेंगे....

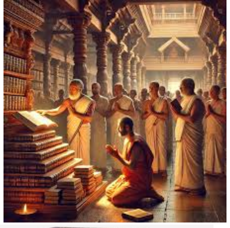
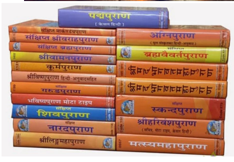

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ओम् शान्ति। मीठे-मीठे रूहानी बच्चों ने गीत की लाइन सुनी। जैसे वेद शास्त्र आदि भक्ति मार्ग का रास्ता बताते हैं वैसे गीत भी थोड़ा रास्ता बताते हैं। वह तो कुछ समझते नहीं। शास्त्रों की कथायें आदि सुनना, वह जैसे है कनरस। अब बच्चे जानते हैं - दूरदेश का मुसाफिर किसको कहा जाता है। आत्मा जानती है - हम भी दूर के मुसाफिर हैं, हमारा घर शान्तिधाम है। मनुष्य इन बातों को नहीं समझे तो गोया कुछ नहीं समझे। बाप को न जानने से सृष्टि चक्र को कोई नहीं जानते हैं। यह आत्मा समझती है कि शिवबाबा कहते हैं - मैं टैप्रेरी जीव आत्मा बनता हूँ। तुम स्थाई जीव आत्मा हो। मैं सिर्फ संगम पर ही टैप्रेरी जीव आत्मा हूँ। सो भी तुम्हारे मुआफिक नहीं बनता। मैं इस जीव में प्रवेश करता हूँ, अपना परिचय देने। नहीं तो तुमको परिचय कैसे मिले? बाप ने समझाया है - रूहानी बाप एक ही है, जिसको शिवबाबा अथवा भगवान कहते हैं। दूसरा कोई नहीं जानते। इसमें पवित्रता का भी बन्धन है। बड़े ते बड़ा बन्धन है अपने को आत्मा समझना, जिस

very sweet exp-feeling at last pages (through a song)

V/S

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

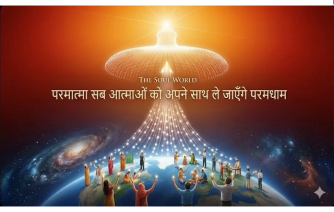

दूर के मुसाफिर पतित-पावन को भक्ति मार्ग में याद करते हैं। वह रूहानी बाप समझाते हैं कि मैं सबको ले चलूँगा। किसको भी छोड़ नहीं जाऊंगा, वापिस तो सबको जाना है। प्रलय भी नहीं होनी

है। भारत खण्ड तो रहता ही है। भारत खण्ड का कभी विनाश नहीं होता है। सतयुग आदि में सिर्फ भारत खण्ड ही रहता है। कल्प के संगम पर जब

बाप आते हैं तो आदि सनातन देवी-देवता धर्म स्थापन करना होता है। बाकी सब धर्म विनाश होने हैं। तुम भी आदि सनातन देवी-देवता धर्म स्थापन करने में मदद कर रहे हो। तो गीत सुना - कहते हैं बाबा हमको भी साथ ले चलो। बाप कहते हैं - ऐसे

**Conditions Applied Very strictly

साथ में कोई चल न सके, जब तक पुरानी दुनिया से वैराग्य न आये। नया मकान बनता है तो पुराने

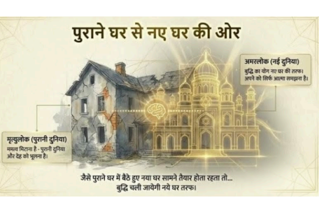

से दिल टूट जाती है। तुम भी जानते हो यह पुरानी दुनिया खत्म होनी है। अब नई दुनिया में चलना है।

ये पक्का समझ लो..

जब तक सतोप्रधान नहीं बनेंगे तब तक सतोप्रधान देवी-देवता बन नहीं सकेंगे इसलिए बाबा बार-बार समझाते हैं - अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो। सद्गति करने वाला दूर का मुसाफिर

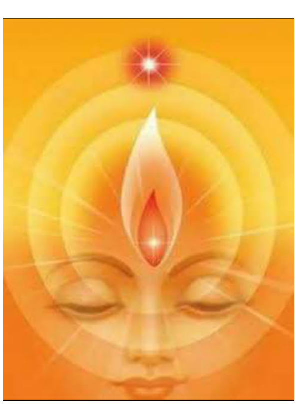

मनुष्याणां सहस्त्रेषु कश्चिद्यतति सिद्धये।
यततामपि सिद्धानां कश्चिन्मां वेत्ति तत्त्वतः ॥
हजारों मनुष्योंमें कोई एक मेरी प्राप्तिके लिये यत्न करता है और उन यत्न करनेवाले योगियोंमें भी कोई एक मेरे परायण होकर मुझको तत्त्वसे अर्थात् यथार्थरूपसे जानता है॥ ३ ॥ Adhyay 7

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

एक ही आया हुआ है, उनको दुनिया नहीं जानती। सर्वव्यापी कह दिया है। अभी तुम बच्चे नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जानते हो कि हम शिवबाबा की सन्तान हैं। आते भी हैं तो समझते हैं हम बापदादा के पास जाते हैं, तो यह फैमली हो गई। यह है ईश्वरीय फैमली। किसको बहुत बच्चे होते हैं तो बड़ी पलटन हो जाती है। शिवबाबा के बच्चे जो इतने बी.के. भाई-बहिन हैं, यह भी बड़ी पलटन हो जाती है। ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ सब जानते हैं - हम बेहद के बाप से वर्सा लेते हैं। शास्त्रों में दिखाते हैं पाण्डवों और कौरवों ने खेल खेला। राजाई दांव में रखी। अब राजाई न कौरवों की है, न पाण्डवों की हैं। ताज आदि कुछ भी नहीं है। दिखाते हैं उनको शहर निकाला मिला। हथियार आदि छिपाकर जाए रखा। यह सब हैं दन्त कथायें। न पाण्डव राज्य है, न कौरव राज्य है। न उन्हों की आपस में लड़ाई चली है। लड़ाई राजाओं की लगती है। यह तो भाई-भाई हैं। लड़ाई हुई है कौरवों और यौवनों की। बाकी भाई एक दो को कैसे खत्म करेंगे। दिखाते हैं पाण्डव, कौरव लड़े। बाकी 5 पाण्डव

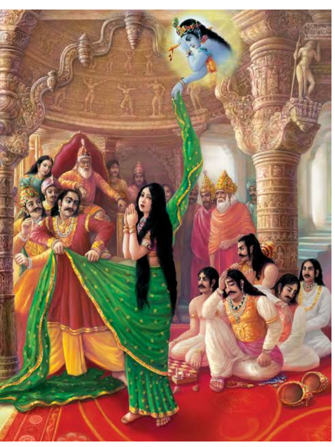

बचे और एक कुत्ता रहा। वह भी सब पहाड़ पर गल मरे। खेल ही खलास। राजयोग का अर्थ ही नहीं निकला।

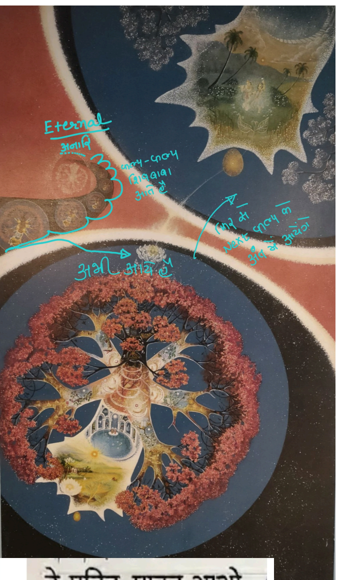

अभी तुम बच्चे जानते हो बाप कल्प-कल्प आकर एक धर्म की स्थापना करते हैं। बुलाते भी हैं हे पतित-पावन बाबा आओ, आकर पतित से पावन बनाओ। सतयुग में सूर्यवंशी राजधानी ही होती है। ब्रह्मा द्वारा विष्णुपुरी की स्थापना हो रही है। अब बाप आये हैं तो उनके डायरेक्शन पर चलना है। कमल पुष्प समान पवित्र रहना है। कन्याओं को तो नहीं कहेंगे कि गृहस्थ व्यवहार में रहते कमल फूल समान रहो। वह तो हैं ही पवित्र। यह गृहस्थियों के लिए कहा जाता है। कुमार और कुमारियों को तो शादी करनी ही नहीं चाहिए। नहीं तो वह भी गृहस्थी हो पड़ेंगे। कुछ गन्धर्वी विवाह का नाम भी है। कन्या पर मार पड़ती है तो लाचारी हालत में गन्धर्वी विवाह कराया जाता है। वास्तव में मार भी सहन करनी चाहिए, परन्तु अधरकुमारी

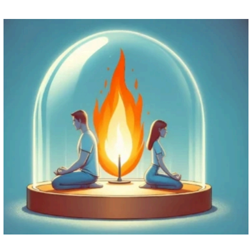

Point to be Noted

नहीं बनना चाहिए। बाल ब्रह्मचारी का नाम बहुत होता है। शादी की तो हाफ पार्टनर हो गये। कुमारों को कहा जाता है - तुम तो पवित्र रहो। गृहस्थ व्यवहार वालों को कहा जाता है - गृहस्थ व्यवहार में रहते कमल फूल के समान बनो। उन्हों को ही मेहनत होती है। शादी न करने से बन्धन नहीं रहेगा। कन्या को तो पढ़ना है और ज्ञान में बहुत मजबूत रहना है। छोटी कुमारियां जो सगीर हैं, उनको तो हम ले नहीं सकते। वह अपने घर में रहकर पढ़ सकती हैं। माता-पिता ज्ञान में आये तो सगीर को ले सकते हैं। यह तो स्कूल का स्कूल है, घर का घर है और सतसंग का सतसंग। सत माना एक बाप, जिसके लिए ही कहते हैं ओ दूर के मुसाफिर। आत्मा गोरी बनती है। बाप कहते हैं - मैं मुसाफिर सदा गोरा रहता हूँ। प्योरिटी में रहने वाला हूँ। मैं आकर सभी आत्माओं को पवित्र गोरा बनाता हूँ और तो कोई ऐसे मुसाफिर हैं नहीं। बाप समझाते हैं - मैं आया हूँ रावण राज्य में। यह शरीर भी पराया है। तुम्हारी आत्मा कहेगी - यह हमारा शरीर है। बाबा कहेंगे यह हमारा शरीर नहीं है। यह

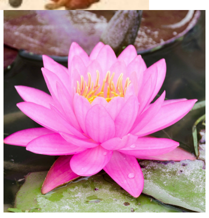

Musaafir hoon main door ka
Deewana hoon main dhoop ka
Mujhe na bhaye.. na bhaye, na bhaye chaanv re

पवित्रता

Ever Pure

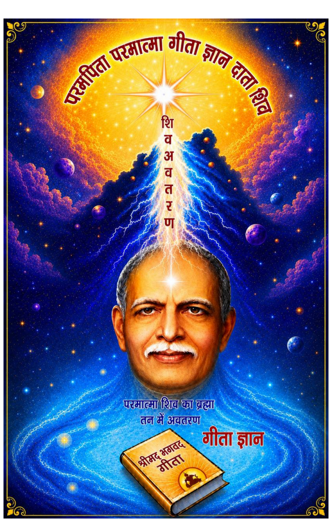

इनका शरीर है। यह पतित शरीर हमारा नहीं है। आते ही हैं इनके बहुत जन्मों के अन्त के जन्म में। जो नम्बरवन पावन था, वही नम्बर लास्ट अर्थात् अन्त में विकारी बनते हैं। पहला नम्बर 16 कला सम्पूर्ण था। अब कोई कला नहीं रही है। पतित तो सब हैं ही। तो बाप दूरदेश का मुसाफिर हुआ ना। तुम आत्मायें भी मुसाफिर हो। यहाँ आकर पार्ट बजाती हो। इस सृष्टि चक्र को कोई नहीं जानते हैं।

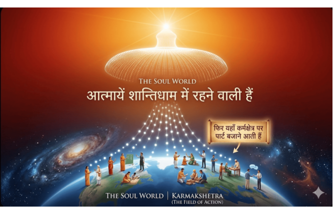

चढ़ाओ नशा... But we know, How Lucky & Great we are..!

भल कोई कितना भी शास्त्र आदि पढ़ा हो परन्तु यह ज्ञान कोई नहीं दे सकते। बाप समझाते हैं - मैं इस तन में प्रवेश कर इन आत्माओं को ज्ञान देता हूँ। वह तो मनुष्य, मनुष्य को शास्त्रों का ज्ञान देते हैं। वह हो गये भगत। सद्गति दाता तो एक ही है। वही ज्ञान का सागर है, उनको न जानने कारण देह-अभिमान आ जाता है। वह कोई यह तो समझाते नहीं हैं कि अपने को आत्मा निश्चय करो। आत्मा पढ़ती है। यह कोई समझाते नहीं हैं क्योंकि देह-अभिमान है। अभी दूर का मुसाफिर तो शिव-बाबा को ही कहेंगे। तुम जानते हो हम 84 जन्म का चक्र लगा चुके हैं।

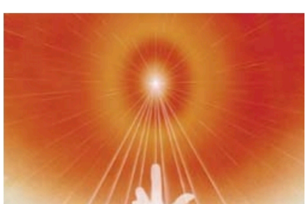

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापद

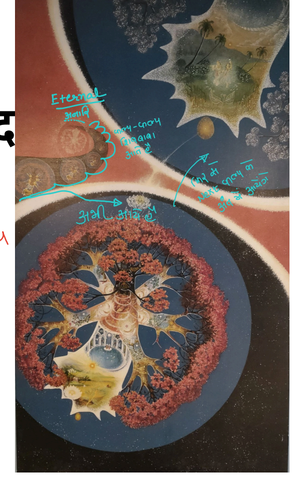

last one

श्रीभगवानुवाच Adhyay : 4

बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन।
तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परन्तप॥

श्रीभगवान् बोले—हे परंतप अर्जुन! मेरे और तेरे बहुत-से जन्म हो चुके हैं। उन सबको तू नहीं जानता, किन्तु मैं जानता हूँ॥ ५॥

बाप कहते हैं - 5 हजार वर्ष पहले भी समझाया था कि बच्चे तुम अपने जन्मों को नहीं जानते हो। मैं जानता हूँ - गीता में आटे में लून मिसल कुछ है। वही गीता का एपीसोड, वही महाभारत की लड़ाई, वही मनमनाभव-मध्याजी भव का ज्ञान है। मामेकम् याद करो। लड़ाई भी बरोबर लगी है। पाण्डवों की विजय हुई। विजय माला विष्णु की गाई जाती है। शास्त्रों में तो दिखाया है पाण्डव गल मरे। फिर माला कहाँ से बनी। अब तुम समझते हो कि हम विष्णु की माला बनने यहाँ आये हैं। ऊपर में है पतित-पावन बाप। उनका यादगार चाहिए ना। भक्ति मार्ग में यादगार गाया जाता है। कोई 8 की माला, कोई 108 की माला, कोई 16108 की बनाई है। गाते हैं - चढ़ती कला तेरे भाने सर्व का भला। अभी तुम जानते हो - हमारी चढ़ती कला है। हम चले जायेंगे अपने सुखधाम फिर हम वहाँ से नीचे कैसे उतरते हैं। 84 जन्म कैसे लेते हैं, यह

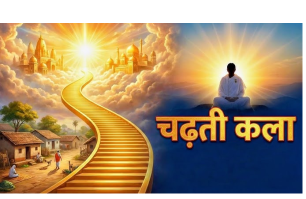

Thank you so much मेरे मीठे बाबा...

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

सारा ज्ञान तुम्हारी बुद्धि में है। यह ज्ञान भूलना नहीं चाहिए। हमारे सब दु:ख दूर करने, श्राप मिटाए सुख का वर्सा देने बाप आया है। रावण के श्राप से सबको दु:ख होता है। तो अब बाप को और वर्से को याद करना है। तुम जानते हो हम सूर्यवंशियों ने भारत में राज्य किया। भारत में ही शिवबाबा आते हैं। भारत ही स्वर्ग था, यह घड़ी-घड़ी बुद्धि में याद करना पड़े। जिसने 84 का चक्र नहीं खाया होगा, वह न धारणा करेंगे, न करायेंगे उसके लिए समझा जायेगा कि इसने 84 जन्म नहीं लिये हैं। यह देरी से आते हैं। स्वर्ग में नहीं आते हैं। पहले-पहले जाना तो अच्छा है ना। नये मकान में पहले खुद रहते हैं फिर किराये पर चढ़ाते हैं। तो वह फिर सेकेण्ड हैण्ड हुआ ना। सतयुग है नई दुनिया। त्रेता सेकेण्ड हैण्ड कहेंगे। तो अब बुद्धि में आता है हम स्वर्ग नई दुनिया में जायें। पुरुषार्थ करना है, प्रजा भी बनती जायेगी। तुमको मालूम पड़ता जायेगा कि माला में कौन-कौन पिरो सकते हैं। अगर किसको सीधा कहा जाए कि तुम नहीं आयेंगे तो हार्टफेल हो जाए इसलिए कहा जाता है कि

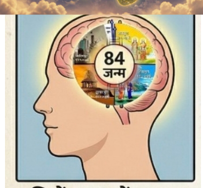

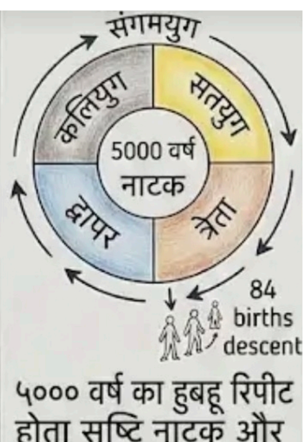

Coming soon...

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

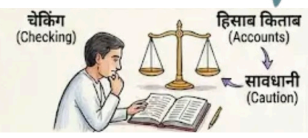

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

पुरुषार्थ करो, अपनी जांच करो कि हमारा बुद्धियोग भटकता तो नहीं है! तुम्हारा शिवबाबा से कितना लव होता जाता है! कहते भी हैं हम बापदादा के पास जाते हैं। शिवबाबा से दादा द्वारा वर्सा लेने जाते हैं। ऐसे बाप के पास तो कई बार जायें। परन्तु गृहस्थ व्यवहार भी सम्भालना है। भल बहुत धनवान हैं परन्तु इतनी फुर्सत नही। पूरा निश्चय नहीं। नहीं तो मास दो मास बाद आकर रिफ्रेश हो सकते हैं। उनको घड़ी-घड़ी कशिश होगी। सुई पर जंक चढ़ी हुई होती है तो चुम्बक इतना खींचता नहीं है। जिनका पूरा योग होगा उनको झट कशिश होगी, भाग आयेंगे। जितनी कट उतरती जायेगी, उतनी कशिश होगी। हम चुम्बक से मिलें। गीत है चाहे मारो, चाहे कुछ भी करो... हम दर से कभी नहीं निकलेंगे। परन्तु वह अवस्था तो पिछाड़ी में होगी। कट निकली हुई होगी तो वह अवस्था होगी। बाप कहते हैं - हे आत्मायें मनमनाभव, रहो भल अपने गृहस्थ व्यवहार में। ऐसे नहीं कि यहाँ भागकर आए बैठ जाना है। सागर पास बादलों को आना है - रिफ्रेश

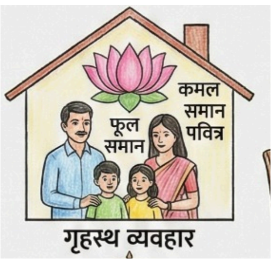

Coming soon...

**Conditions Applied Very strictly

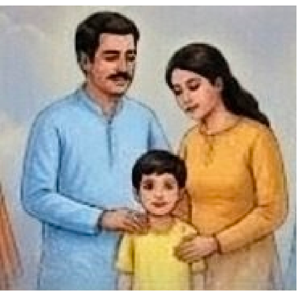

होने। फिर सर्विस पर जाना है। बन्धन जब खलास हो तो सर्विस पर जा सकें। माँ-बाप को अपने बच्चों को सम्भालना है। बाप की याद में रहना है। पवित्र बनना है।

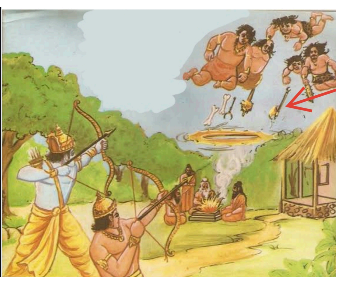

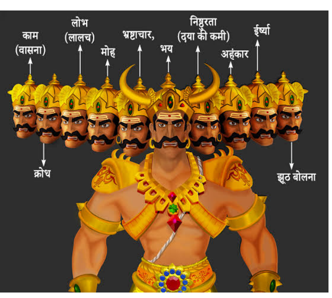

बाप ने समझाया है - अनेक प्रकार के विघ्न ज्ञान यज्ञ में पड़ते हैं। कहते हैं ईश्वर तो समर्थ है फिर विघ्न क्यों? मनुष्यों को पता ही नहीं है, रावण भगवान से भी तीखा है। उनकी राजाई छीनी जाती है तो अनेक प्रकार के विघ्न पड़ते रहते हैं। ड्रामा प्लैन अनुसार फिर भी विघ्न पड़ेंगे। शुरूआत से लेकर पतितों के विघ्न पड़ते हैं। शास्त्रों में भी लिख दिया है - श्रीकृष्ण को 16108 पटरानियां थी। सर्प ने डसा। राम की सीता चुराई गई। अब रावण स्वर्ग में कहाँ से आये। झूठ तो बहुत है। कहते हैं विकार बिगर बच्चे कैसे होंगे। उनको पता ही नहीं - जो वर्सा लेने वाले होंगे वही आकर समझेंगे। तो इस ज्ञान यज्ञ में असुरों के विघ्न पड़ते

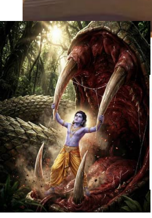

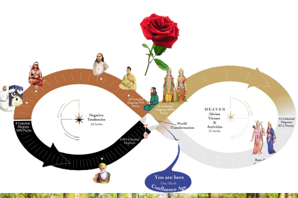

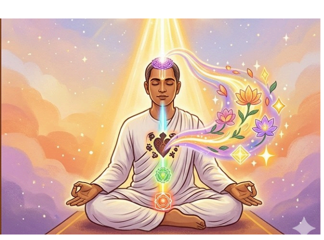

हैं। पतित को असुर कहा जाता है। है ही रावण सम्प्रदाय। अभी तुम संगम पर हो। रावण राज्य से किनारा कर लिया है फिर भी कुछ लैस आती है। यह बुद्धि में ज्ञान है कि हम जा रहे हैं। बैठे तो यहाँ ही हैं। बुद्धि में ज्ञान है। बैठे यहाँ हो परन्तु उनसे जैसे तुमको वैराग्य है। यह छी-छी दुनिया कब्रिस्तान बननी है। भिन्न-भिन्न प्वाइन्ट्स से समझाया जाता है। वास्तव में तो एक ही प्वाइन्ट है मनमनाभव। कितनों की चिट्ठियां आती हैं - बाबा हम बांधेली हैं। एक द्रोपदी तो नहीं हैं, हजारों हो जायेंगी। अभी तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में ट्रांसफर हो रहे हो। जो कल्प पहले फूल बने होंगे वही निकलेंगे। गॉर्डन ऑफ अल्लाह की यहाँ स्थापना होगी। कोई-कोई तो ऐसे अच्छे-अच्छे फूल होते हैं जो देखने से ही आराम आ जाता है। नाम ही है किंग ऑफ फ्लावर्स। 5 रोज़ से रखा हो तो भी खिला रहेगा। खुशबू फैलती रहेगी। यहाँ भी जो बाप को याद करते और याद दिलाते हैं उनकी खुशबू फैलती है। सदैव खुश रहते हैं। ऐसे मीठे-मीठे बच्चों को देख बाप हर्षित होते हैं। उन्हों के

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

आगे बाबा की ज्ञान डांस अच्छी होती है। अच्छा।

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

1) ज्ञान और योग में मजबूत बनना है। अगर कोई बन्धन नहीं है तो बन्धनों में जानबूझकर फॅसना नहीं है। बाल ब्रह्मचारी होकर रहना है।

2) अभी हमारी चढ़ती कला है, बाबा हमारे सब दु:ख दूर करने, श्राप मिटाए वर्सा देने आये हैं। बाप और वर्से को याद कर अपार खुशी में रहना है। जांच करनी है कि हमारा बुद्धियोग कहाँ भटकता तो नहीं है।

Method/Process/Instrument

05-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान: समाने और सामना करने की शक्ति द्वारा सेवा में सफलता प्राप्त करने वाले रूहानी सेवाधारी भव

Outcome/Output/Result

Finale Achievement

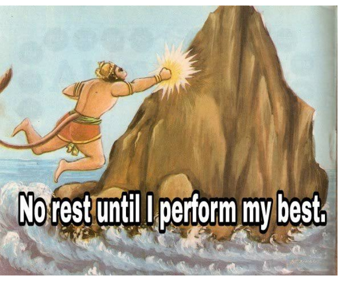

रूहानी सेवाधारियों को सेवा के सिवाए कुछ भी सूझता नहीं,

Never - Ever Try to underestimate the Power of सेवा।

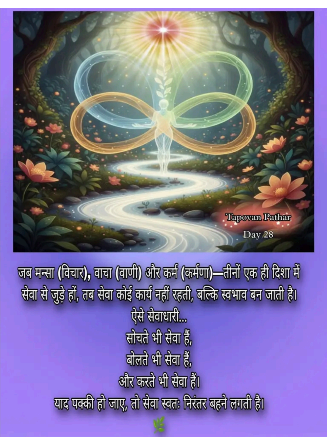

वे मन्सा-वाचा-कर्मणा सर्विस से एक सेकण्ड भी रेस्ट नहीं लेते इसलिए बेस्ट बन जाते हैं।

वे सेवाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए सदा यही याद रखते कि समाना और सामना करना - यही हमारा निशाना है।

वे अपने पुराने संस्कारों को समाते हैं और सामना माया से करते न कि दैवी परिवार से। Most imp

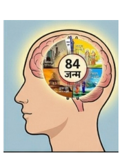
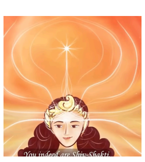

ऐसे बच्चे जो नॉलेजफुल के साथ-साथ पावरफुल भी हैं उन्हें ही कहा जाता है रूहानी सेवाधारी।

Definition of

स्लोगन: छोटी बात को बड़ा नहीं करो, वातावरण को शक्तिशाली बनाओ।

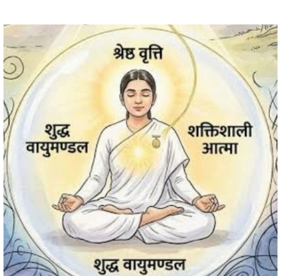

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये अव्यक्त इशारे -

सदा हर्षित रहने के लिए

अपनी नेचर को सरल बनाओ , सहनशील बनो।

दुनिया में लोग जिंदा होते भी नाउम्मींदी की चिता पर बैठे हुए हैं,

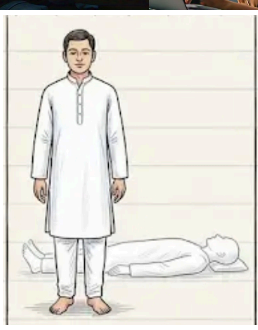

ऐसी आत्माओं को मरजीवा बनाओ, नये जीवन का दान दो।

अपने खुशनसीब, हर्षित मुख चेहरे द्वारा उन्हें मानव जीवन में जीना सिखाओ।

आपको देखकर उनमें हिम्मत, उमंग-उत्साह आ जाये,

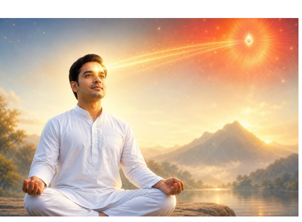

इसके लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ और सदा कमल समान स्थिति के आसन पर डबल लाइट स्थिति में स्थित रहो।

If you wish to stay connected, Here is the link

TELEGRAM

WhatsApp

BKdrluhar

अव्यक्त बापदादा:

वरदान का फल निकालने के लिए बार-बार वरदान को स्मृति में लाओ। स्मृति स्वरूप के स्थिति में स्थित रहो।

AV: 30/11/2009
Revise: 12/4/26

All वरदान slogans May 26 → Click

All अव्यक्त इशारे May 26 → Click

अव्यक्त बापदादा:

आजकल के जमाने के हिसाब से तो बातें बहुत बदलती जाती हैं। गवर्मेन्ट के कायदे भी बदलने हैं, मनुष्यों की वृत्ति भी बदलनी है। तो हर एक के जीवन में व्यर्थ बातें तो आनी ही हैं, तो व्यर्थ को समाप्त करने के लिए समर्थ संकल्प चाहिए। वेस्ट को खत्म करने के लिए बेस्ट संकल्प चाहिए। तो रोज़ की मुरली में जो वरदान, स्लोगन आता है उसे सुनो। यह वरदान ही श्रेष्ठ संकल्प है। जब व्यर्थ आवे तो श्रेष्ठ संकल्प मन को चाहिए। मन खाली नहीं रह सकता है। मन को कुछ न कुछ संकल्प चाहिए। तो व्यर्थ वेस्ट को बेस्ट करने के लिए आपको यह वरदान और स्लोगन आदि के शब्द मन को चेंज करने के लिए चाहिए।

Remedy

Subtle Psychology

AV: 15/03/2010
Revise: 31/05/2026

All वरदान, slogans and अव्यक्त इशारे At Single place → Click

ओम शांति ,
1 जून से टीम हाइलाइटेड मुरली ने एक नई पहल शुरू की है इस Mind map के रूप में।

इस नई पहल का उद्देश्य यह है कि
आप दिन में कर्म करते हुए या ट्रैवलिंग करते हुए कहीं पर भी, थोड़े से ही समय में ज्ञान,योग,धारणा और सेवा जो हमारे चार मुख्य सब्जेक्ट है उसके main Points को Quickly Revise कर सके और उसका मंथन करते हुए बाबा की याद में एवं स्वदर्शन चक्र फिराने में डूबे रह सके जिससे कि व्यर्थ के आने की कोई मार्जिन ही न रहे।

मीठे बापदादा हमसे चाहते है कि "मेरा हर एक बच्चा व्यर्थ से मुक्त बन जाए।" और व्यर्थ मिटाने का सबसे सरल साधन है निरन्तर समर्थन चिन्तन। और मुरली है सर्व समर्थ साधन - क्योंकि मुरली है सर्व शक्तिमान शिवबाबा का मन। तो मुरली के मंथन में व्यस्त रहना अर्थात उस Supreme powerhouse से अपने मन की तार को जोड़ना।

चूं की यह एकदम नई सेवा है तो आप अपना feedback अवश्य भेजें ताकि Team इस सेवा का एनालिसिस कर के सेवा में improvement कर सके एवं इस सेवा की दिशा को भी जान सके (सेवा जिस उद्देश से शुरू की है वो सार्थक हो रहा है कि नहीं)।

आपका Feedback इस गूगल फॉर्म में submit कीजिए।

Click

इस mind map में,
मुरली की Main Body को ही ध्यान में लिया गया है।
अर्थात सार,प्रश्नोत्तर,धारणा, वरदान, स्लोगन ,अव्यक्त इशारों को include नहीं किया है।

ज्ञान

- **आत्मा**
  - आत्मा जानती है हम भी दूर के मुसाफिर हैं, हमारा घर शान्तिधाम है।
  - बड़े ते बड़ा बन्धन है अपने को आत्मा समझना, जिस दूर के मुसाफिर पतित-पावन को भक्ति मार्ग में याद करते हैं।
  - आत्मा गोरी बनती है।
  - आत्मा पढ़ती है।
  - जो कल्प पहले फूल बने होंगे वही निकलेंगे।
- **परमात्मा**
  - समझाते
    - वह रूहानी बाप समझाते हैं कि मैं सबको ले चलूँगा। किसको भी छोड़ नहीं जाऊंगा, वापिस तो सबको जाना है।
    - जब तक सतोप्रधान नहीं बनेंगे तब तक सतोप्रधान देवी-देवता बन नहीं सकेंगे इसलिए बाबा बार-बार समझाते हैं अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो।
  - स्थापन
    - कल्प के संगम पर जब बाप आते हैं तो आदि सनातन देवी-देवता धर्म स्थापन करना होता है।
  - कहते
    - बाप कहते, हैं-ऐसे साथ में कोई चल न सके, जब तक पुरानी दुनिया से वैराग्य न आये।
  - मुसाफिर
    - सद्गति करने वाला दूर का मुसाफिर एक ही आया हुआ है, उनको दुनिया नहीं जानती।
    - यह तो स्कूल का स्कूल है, घर का घर है और सतसंग का सतसंग। सत माना एक बाप, जिसके लिए ही कहते हैं ओ दूर के मुसाफिर।
    - बाप कहते हैं- मैं मुसाफिर सदा गोरा रहता हूँ। प्योरिटी में रहने वाला हूँ। मैं आकर सभी आत्माओं को पवित्र गोरा बनाता हूँ और तो कोई ऐसे मुसाफिर हैं नहीं।
    - अभी दूर का मुसाफिर तो शिवबाबा को ही कहेंगे।
  - जानता
    - मैं जानता हूँ गीता में आटे में लून मिसल कुछ है। वही गीता का एपीसोड, वही महाभारत की लड़ाई, वही मनमनाभव- मध्याजी भव का ज्ञान है। मामेकम् याद करो।
      - बाप कहते हैं हे आत्मायें मनमनाभव, रहो भल अपने गृहस्थ व्यवहार में।
      - वास्तव में तो एक ही प्वाइन्ट है मनमनाभव।
  - ज्ञान डांस
    - सदैव खुश रहते हैं। ऐसे मीठे मीठे बच्चों को देख बाप हर्षित होते हैं। उन्हों के आगे बाबा की ज्ञान डांस अच्छी होती है
  - डायरेक्शन
    - अब बाप आये हैं तो उनके डायरेक्शन पर चलना है। कमल पुष्प समान पवित्र रहना है।

- **ज्ञान**
  - **कम्पेरिजन**
    - जीव आत्मा
      - टैम्प्रेरी
        - मैं (शिवबाबा)टैम्प्रेरी जीव आत्मा बनता हूँ। सिर्फ संगम पर ही टैम्प्रेरी जीव आत्मा हूँ।
        - मैं इस जीव में प्रवेश करता हूँ, अपना परिचय देने।
      - स्थाई
        - तुम स्थाई जीव आत्मा हो।
    - दुनिया
      - पुरानी दुनिया
        - बाप कहते हैं-ऐसे साथ में कोई चल न सके, जब तक पुरानी दुनिया से वैराग्य न आये।
        - तुम भी जानते हो यह पुरानी दुनिया खत्म होनी है।
      - नई दुनिया
        - अब नई दुनिया में चलना है।
        - तो अब बुद्धि में आता है हम स्वर्ग नई दुनिया में जायें।
        - सतयुग है नई दुनिया।
  - **इंग्लिश वर्ड्स**
    - लव
    - रिफ्रेश
    - सर्विस
    - ड्रामा प्लैन
    - सेकेण्ड हैण्ड
    - हार्टफेल
    - प्वाइन्ट्स
    - ट्रांसफर
    - गॉर्डन ऑफ अल्लाह
    - किंग ऑफ फ्लावर्स।
    - डांस
    - प्योरिटी
    - नम्बर
    - लास्ट
    - एपीसोड
    - टैम्प्रेरी
    - फैमली

योग

मामेकम् याद करो।

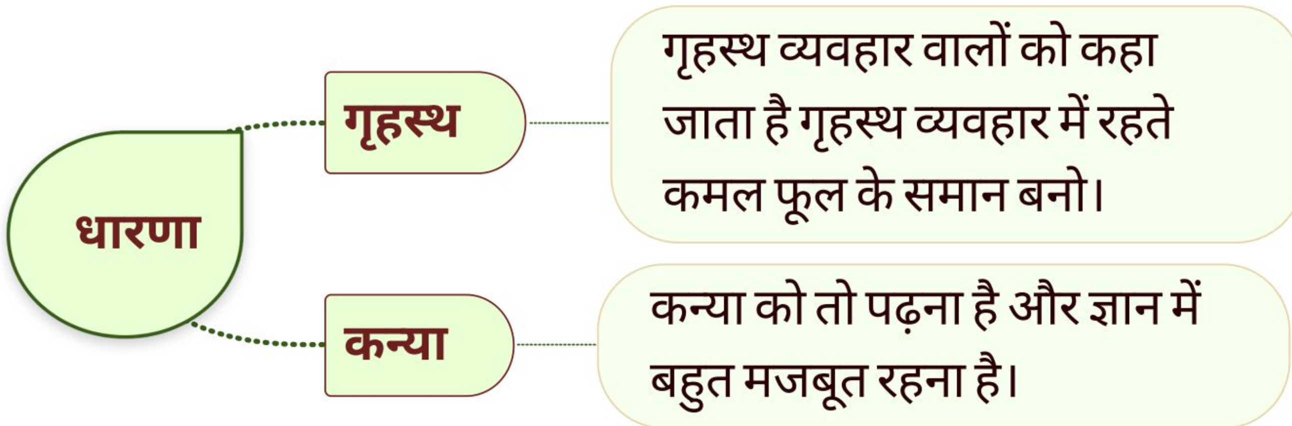
धारणा
गृहस्थ
गृहस्थ व्यवहार वालों को कहा जाता है गृहस्थ व्यवहार में रहते कमल फूल के समान बनो।
कन्या
कन्या को तो पढ़ना है और ज्ञान में बहुत मजबूत रहना है।

सेवा

- **रिफ्रेश**
  - सागर पास बादलों को आना है - रिफ्रेश होने। फिर सर्विस पर जाना है।
- **बन्धन**
  - बन्धन जब खलास हो तो सर्विस पर जा सकें।

आज मुज आत्मा सजनी की मेरे प्यारे साजन से और उस प्राणप्यारे साजन की मुज सजनी से कुछ खट्टी कुछ मीठी अर्थात मजेदार रूह रीहान।

song
Click

##########

Manwa laage.. o manwa laage
Laage re sanware
Laage re sanware
Le tera hua jiya ka, jiya ka, jiya ka ye gaanv re

(मेरे प्यारे साजन,
मेरा मन जो की अब आप से ही लगा/जुड़ा रहता है जिससे की अब तो मेरे जिया का ये सारा गाँव आपका हुआ अर्थात ये दिल अब आपका और सिर्फ आपका हुआ।)

Manwa laage.. o manwa laage
Laage re sanware
Laage re sanware

Le khela maine jiya ka, jiya ka, jiya ka hai daav re
(और साथ ही साथ आपको पाने के लिए मैंने दिल/जान की बाज़ी लगा दी हैं।)

Musaafir hoon main door ka
Deewana hoon main dhoop ka
Mujhe na bhaye.. na bhaye, na bhaye chaanv re
(ओ मेरी प्यारी सजनी,
मैं हसीन मुसाफिर बहुत दूर, परमधाम से आया हुआ हूँ।
और मैं तो धुप/पवित्रता का ही दीवाना हूँ,
मुझे रिंचक मात्र भी छाँव/अपवित्रता भाति/पसंद नहीं हैं।)

हसीन मुसाफिर
द्वारा शिवबाबा

समझाया है - तुम सब भक्तियां हो। मैं हूँ भगवान, ब्राइडग्रुम। तुम हो ब्राइड्स। तुम सब मुझे याद करते हो। मैं मुसाफिर बहुत ब्युटीफुल हूँ। सारी दुनिया के मनुष्य मात्र को खूबसूरत बनाता हूँ। 9/9/25

Manwa laage.. o manwa laage
Laage re sanware
Laage re sanware
Le tera hua jiya ka, jiya ka, jiya ka ye gaanv re

#####======$$$$$
【मैं आत्मा सजनी】
Aisi kaisi boli tere naino ne boli
Jaane kyon main doli
Aisa lage teri ho li main, tu mera..

(मेरे नयनो के नूर मेरे प्यारे साजन,
तुम्हारे नयनों ने ऐसी तो कैसी बोली बोली, जिससे की मुझे पता भी न रहा अर्थात सुधबुध भूल कर तुम्हारे प्यार में डोलने लगी अर्थात मगन/पागल हो गई।
और ऐसा लगा जैसे की मैं तो तुम्हारी हुई,
और तुम सिर्फ और सिर्फ मेरे......)

मुरली

(शिव साजन:)
mm.. Tune baat kholi kacche dhaago me piro li
Baaton ki rangoli se na khelun aise holi main
naa tera..
(ओ मेरी भोली सजनी 【भोली अर्थात जो माया के सभी रूपों को जानती नहीं की माया भी सर्वशक्तिमान हैं और एक पल की भी गफलत तुजे मेरा होने नहीं देंगी अर्थात दूर कर देंगी】,

तूने बाते तो बहुत ही अच्छी अच्छी और मीठी मीठी बोल के बातो की बहुत बड़ी और बापदादा को आकर्षित करने वाली माला ही बना ली।

परंतु सिर्फ ऐसी प्यारी प्यारी बातो की रंगोली से मैं तुम्हारे साथ होली नहीं खेलूंगा अर्थात मुझे तुमने जो भी बातों रूपी वायदे किये हैं उसे practical कर के दिखाओ।

तो जब तक तुम practical proof नहीं देती तब तक मैं तुम्हारा नहीं बन सकता।)

【मैं आत्मा सजनी】 m. imp

आत्मा का दृढ संकल्प

O.. kisi ka toh hoga hi tu
Kyun na tujhe main hi jeetun
(ओ मेरे प्यारे दिलतख्तनशीं साजन,
ये बात तो आपको माननी ही पड़ेंगी की किसी न किसी के आप साजन तो बनेंगे ही।
तो आपको क्यों न मैं ही जीतूं?

फिर चाहे उसके लिए कोई भी कीमत क्यों न चुक्तू करनी पड़े।

मेरे प्यारे साजन,
Please Underline the word कोई भी।)

【शिव साजन मंद मंद मुस्कुराते हुए बोले की..】
Khule khabon me jeete hain, jeete hain baawre
(मैं सारी श्रुष्टी का मालिक हूँ और मुझे पाने के लिए तुम जैसी कई सारी आत्माओ रूपी बाँवरी/पागल सजनिया ऐसे ही ख्वाबों में जीती हैं।

उसे ये मालुम नहीं की मुझे पाने के लिए कितनी कठिनायों का सामना करना पड़ेंगा, कितनी दृढ़ता रखनी होंगी।)

【मैं आत्मा सजनी】
Mann ke dhaage, o mann ke dhaage
Dhaage pe saanwre
Dhaage pe saanwre
Hai likha mene tera hi, tera hi, tera hi to naam re
(ओ मेरे मन के मीत,
चाहे आप मानो या न मानो परंतु मैंने जब से ब्राह्मण जन्म लिया हैं तबसे आपको पाने का ही लक्ष्य रखा हैं अर्थात मैंने मेरे मन के धागों पर सिर्फ और सिर्फ आपका ही नाम लिखा हैं।

और आप देखते जाइए - जो भी बातें मैंने कही हैं आपसे, उसको चाहे कितने ही कष्ट सहन कर के या फिर मर कर भी पूरा करेंगे।)

#####$$$$$$#####

【मैं आत्मा सजनी अपने मन ही मन】
Ras bundiya nayan piya raas rache
(मेरे नयनो की रस बून्द अर्थात मेरे नयनो के नूर मेरे साजन,
आप जब दादी गुलज़ार के तन में आते हो और stage पर खड़ी सभी आत्मा रूपी गोपिओ के साथ रास रचते हो और मिलते हो - जैसी दादी जानकीजी से मिलते हो।)

Dil dhad dhad dhadke shor mache
(तो दूर बैठी मुज आत्मा के इस दिल में अपरम अपार गति से धड़कने शोर मचाती हैं और मैं पागल बन सोचती हूँ की मैं कब दादी जी के मुआफिक ही साकार में तुमसे मिलूंगी?)

Yun dekh sek sa lag jaaye
Main jal jaaun bas pyaar bache
(और दादी को आपसे ऐसे मिलते हुए देख,

आप शमा का मुज परवाने पर शेक सा लगता हैं और उस ही शेक के कारन मैं इस देह अभिमान और सर्व विकारो सहित आप शमा पर एक पल की भी सोच बिना फ़िदा हो जाती हूँ , जिससे की बस आप और मैं अर्थात हमारा प्यार शेष रह जाता हैं।)

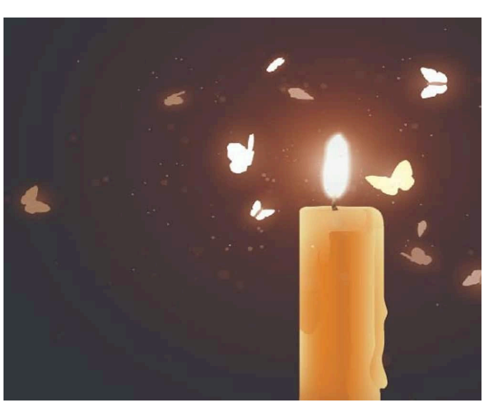

####$$$$%%%%

【आखिर भी वह दिन अब आया की आया, जब मेरे प्यारे साजन आप मुझसे कहेंगे की..】

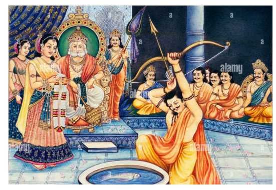

Aise dore daale kaala jaadu naina kaale
Tere main hawaale hua seene se laga le
Aa.. main tera...
(मेरी सिकिलधि सजनी,
तुम्हारी ध्रुव के मुआफिक लगन के कारन, और अर्जुन के मुआफिक तुम्हारी नज़रे जो सदा ही मुज पर टीकी रहती हैं अर्थात तुम्हारा मुझे पाने का ही एक मात्र जो लक्ष्य हैं और जब की अब आखिर वो लक्ष्य अर्थात मुझे पा ही लिया हैं तो ...

मैं भी अब तुम्हारे हवाले हुआ हूँ - तो आ जाओं मेरी बाहों में और मुझे अपने सीने से लगा लो अर्थात बाहों में ले लो।

तो अब मैं आख़िरकार सिर्फ और सिर्फ तुम्हारा हुआ।)

O.. dono dheeme dheeme jalein
Aaja dono aise milein
Zameen pe laage, na tere, na mere paanv re
(सारे कल्प के हिसाब से जो अब थोडा सा संगम का समय बचा हुआ हैं उसमे हम सच्चे प्यार की अगन में एक दूसरे में समा कर ऐसे धीमे धीमे जले की जिससे तुम्हारी 5000 वर्षो की प्यास बुज जाएँ।

और ऐसे combined रहे की उस स्थूल वतन या देहभान रूपी जमीं पे एक पल के लिए भी तुम्हारे पाँव न लगे और मैं तो हूँ ही परमधाम निवासी।)

Shiv Shakti (आत्मा)

Manva laage.. manva laage
Laage re sanware
Laage re sanware
Le tera hua jiya ka, jiya ka, jiya ka ye gaanv re

【मैं आत्मा सजनी】
Rahoon main tere naino ki, naino ki,
naino ki hi chaanv re...
(मेरे प्यारे साजन,
बस अब तो मुझे रहना ही हैं तुम्हारे नैनो की ही छाँव में।)

Le tera hua jiya ka, jiya ka, jiya ka ye gaanv re
Rahoon main tere naino ki, naino ki,
naino ki hi chaanv re...

Other Movie Song to submerge in the love of supreme
↓

Click